# अध्यक्ष का संदेश / Chairman's Message

## प्रिय शेयरधारको,

मैं 31 मार्च, 2009 को समाप्त वर्ष के तुलनपत्र और वर्ष 2008-09 के लाभ हानि लेखा सहित आपके बैंक की मार्च, 2009 को समाप्त अवधि के लिए वार्षिक रिपोर्ट आपको सहर्ष प्रस्तुत कर रहा हूं।

## वैश्विक आर्थिक परिदृश्य:

वर्ष 2008-09 के दौरान अर्थव्यवस्था में तीव्र गिरावट देखी गई। आपको याद होगा कि वर्ष 2007-08 के दौरान हमने सब-प्राइम संकट, तेल, स्वर्ण और वस्तुओं के मूल्यों में वृद्धि के कारण वित्तीय क्षेत्र और संपदा क्षेत्र दोनों पर प्रभाव पड़ा।

सितम्बर, 2008 में लीमान ब्रदर्स के दिवालिया होने के बाद विष्व में नकदी की अत्यन्त कमी हो गई, पूंजी का अभाव रहा और विष्वास टूटने के कारण कई प्रतिष्ठित संस्थान चरमरा गए और उनका विलय हो गया। विष्व की अर्थव्यवस्था में 3.2% की वृद्धि हुई। जहां एक ओर विकसित अर्थव्यवस्थाओं में 0.9% की वृद्धि हुई वहीं विकासषील अर्थव्यवस्थाओं में फिर भी 6.1% की वृद्धि हुई।

विष्व की अर्थव्यवस्था में 2009 के दौरान अभी और मंदी होने की संभावना है और वृद्धि दर (-) 1.3% रहने का अनुमान है जो कि पिछले 60 वर्षों में ऐसी पहली गिरावट होगी। यद्यपि, विकासषील अर्थव्यवस्थाएं 1.6% पर बेहतर वृद्धि कर सकती हैं तथापि, विकसित अर्थव्यवस्थाओं की वृद्धि दर (-) 3.8% पर काफी कम रहने की संभावना है। विष्व व्यापार संगठन के आकलन के अनुसार विष्व व्यापार में लगभग 9% की गिरावट होने की संभावना है जिससे मांग में और कमी आएगी तथा कारपोरेट पर दबाव बढ़ेगा जिससे बेरोजगारी बढ़ेगी। यह स्पष्ट है कि अब यह संकट वित्तीय क्षेत्र से संपदा क्षेत्र में पहुंच गया है और इसने अमेरिका, यूरोप और जापान जैसी विकसित अर्थव्यवस्थाओं को मंदी की गिरफ्त में ले लिया है। इससे शेष विष्व पर संक्रामक प्रभाव पड़ा। ऐसी आषंका है कि मंदी का असर और व्यापक होगा और यह कुछ अधिक समय तक रहेगी।

## भारतीय अर्थव्यवस्था परिदृश्य:

विष्व भर की इन अषांति पूर्ण घटनाओं का भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी प्रभाव पड़ा। हालांकि भारत सब-प्राइम मार्किट से प्रत्यक्ष रूप से नहीं जुड़ा था और भारतीय विकास मुख्यत: घरेलू उपभोग और घरेलू निवेष पर आधारित है इसके बावजूद भारत पर इसका प्रभाव पड़ा। सितम्बर, 2008 में नकदी की कमी दिखाई दी और मांग में अचानक कमी आ गई–विषेषकर निर्यात के क्षेत्र में और सामान्य आर्थिक कार्यकलापों में गिरावट रही।

मंदी का दौर स्पष्ट दिखाई दिया जिसे भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा कुशलता पूर्वक संभाला गया। भारत सरकार ने लोक व्यय में वृद्धि करने के उद्देष्य से दिसम्बर, 2008 और जनवरी, 2009 में दो प्रोत्साहन योजनाओं के जरिये तत्काल कदम उठाये। सरकार ने बुनियादी संरचनाओं संबंधी व्यय की निधियों को

**Dear Shareholders,**

I have great pleasure in presenting to you the Annual Report of your Bank for the period ended March 2009, along with the Balance Sheet as of March 31, 2009 and the Profit and Loss Accounts for the year 2008-09.

**Global Economic Scenario:**

The year 2008-09 saw a sharp downturn in economic scenario. It may be recalled that during 2007-08, we had witnessed the eruption of sub-prime crisis, rise in prices of oil, gold and commodities impacting both the Financial Sector and the Real Sector.

Following the bankruptcy of Lehman Bros. in September 2008, the World witnessed extreme tightening of liquidity, shortage of capital and a shaken confidence leading to collapse and merger of several revered institutions. The Global Economy expanded by 3.2%. While the Advanced Economies expanded by 0.9%, the Emerging Economies expanded by 6.1%.

The World Economy is expected to see further downturn during 2009 with an estimated growth rate of (-)1.3%, the first contraction in last 60 years. While Emerging Economies may be growing fairly better at 1.6%, the growth rate of Developed Economies is expected to be significantly lower at (-)3.8%. World trade as per WTO estimates is estimated to contract by about 9% which will further reduce demand, put pressure on Corporates and add to unemployment. Clearly the crisis has moved from the Financial Sector to the Real Sector taking the developed economies – USA, Europe and Japan into recession. This has had a contagion effect on the rest of the world. It is expected that the recession could be deeper and somewhat prolonged.

**Indian Economic Scenario:**

The tumultuous happenings the world over did have the effect on Indian economy. Despite India not being directly exposed to sub-prime markets and Indian growth story being largely domestic consumption and domestic investment driven, it got impacted. We saw liquidity tightening in mid September 2008, a sudden curtailment of demand - especially for exports and contraction in general economic activity.

Clearly there is a slow down, which was aptly handled by the Govt. of India and the Reserve Bank of India. Government of India responded swiftly through two 'Stimulus Packages' in December 2008 and January 2009 aimed at enhancing Public Spending, Government guaranteed funds for infrastructure

गारंटीकृत किया, अप्रत्यक्ष करों में कटौती की, माइक्रो, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के गारंटी कवर को बढ़ाया और निर्यात के लिए पैकेज जारी किया जिसके परिणामात्मक प्रभाव से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) लगभग 3% रहा।

भारत सरकार ने इस संकट से उबरने के लिए योजनाएं जारी की, वहीं भारतीय रिजर्व बैंक ने भी अपनी आर्थिक नीति में समान रूप से परिवर्तन किया जिसका उद्देष्य रुपये और विदेषी मुद्रा अर्थतरलता को सुविधाजनक बनाना और ऐसा नीतिगत ढांचा तैयार करना है जिससे ऋण डिलीवरी सुव्यवस्थित होगी और वृद्धि में कमी को रोका जा सके। इन विभिन्न उपायों से प्राथमिक तरलता क्षमता जीडीपी की लगभग 7% रही। इसके परिणामतः मुद्रा बाजार स्थिर रहे और बैंकों ने अपनी पीएलआर कम कर दी और ऋण विस्तार सुनिष्चित किया ताकि वृद्धि पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

### दृष्टिकोण 2009-10:

वर्ष 2008-09 के दौरान शुरू किए गए राजकोषीय प्रोत्साहनों और मौद्रिक नीतिगत उपायों तथा वस्तुओं के मूल्यों में कमी होने से यह आषा है कि घरेलू आर्थिक परिदृष्य इस मंदी से उबर जाएगा। इसके अतिरिक्त, मानसून के सामान्य रहने के अनुमान के आधार पर भारतीय रिजर्व बैंक ने वर्ष 2009-10 के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर लगभग 6.0% होने का अनुमान किया है।

वस्तुओं के मूल्य और घरेलू मांग आपूर्ति संतुलन की वैष्विक प्रवृत्ति को ध्यान में रखते हुए, भारतीय रिजर्व बैंक ने मार्च, 2010 के अंत तक थोक मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति के लगभग 4.0% पर रहने का अनुमान किया है। पहली छमाही के दौरान थोक मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति के लगभग शून्य रहने की संभावना है (जो मांग-संकुचन का प्रतिफलन नहीं है) जिसके बाद अर्थव्यवस्था में सुधार होने के साथ यह बढ़ेगी।

भारतीय रिजर्व बैंक ने 2009-10 के लिए मुद्रा आपूर्ति (एम 3) की वृद्धि को 17.0% पर रखा है। इसके अतिरिक्त, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की कुल जमाराषियों और समायोजित गैर-खाद्यान्न ऋणों में क्रमषः लगभग 18% और 20% की वृद्धि होने का अनुमान है।

### भारतीय बैंकिंग की प्रमुख घटनाएं:

वर्तमान कठिन आर्थिक दषाओं के बावजूद 2008-09 के दौरान भारतीय बैंकों का कार्यनिष्पादन प्रभावषाली रहा। राजकोषीय वर्ष 2008-09 के दौरान अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की कुल जमाराषियों में 19.8% की वृद्धि हुई और ये बढ़कर 38,30,322 करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गई जबकि कुल अग्रिमों में इसी अवधि के दौरान 17.3% की वृद्धि हुई और यह 27,70,012 करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गए। इस प्रकार मार्च, 2009 के अंत तक ऋण जमा अनुपात 72.32% रहा। अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के एसएलआर निवेष 11,65,746 करोड़ रुपये रहे जो कुल जमाराषियों का 30.43% है। मार्च, 2009 के अंत में मुद्रा स्टॉक (एम 3) 47,57,905 करोड़ रुपये था और इसमें वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 18.4% की वृद्धि हुई।

### बैंक के कार्यनिष्पादन की प्रमुख उपलब्धियां:

मैं वर्ष 2008-09 हेतु आपके बैंक का कार्यनिष्पादन और कार्य परिणाम आपके समक्ष सहर्ष प्रस्तुत करता हूं।

क) मार्च, 2009 के अंत में आपके बैंक का कुल कारोबार 1,67,434 करोड़ रुपये तक पहुंच गया और इसमें मार्च, 2008 के अंत में 1,33,184 करोड़ रुपये के स्तर से 34,250 करोड़ रुपये (25.72% की वृद्धि) की वृद्धि हुई। मार्च, 2009 के अंत में जमाराषियां और

spending, cut in Indirect taxes, enhanced guarantee cover for MSME and package for exports which had the quantifiable impact of about 3% of GDP.

While the Government came with the Stimulus Packages, RBI was equally swift in its Monetary Policy response aimed at ensuring comfortable Rupee and Forex liquidity and maintaining a policy framework that would keep credit delivery on track and arrest moderation in growth. The various measures had primary liquidity potential of about 7% of GDP. As a result Money Markets were stable and the Banks reduced their PLRs and ensured credit expansion so that growth is not moderated.

### Outlook 2009-10:

In view of the Fiscal Stimulus and Monetary policy measures initiated during 2008-09 coupled with lower commodity prices, it is expected that domestic economic activity will resurge from the downturn. Further, on the assumption of a normal monsoon, RBI has estimated real GDP growth for 2009-10 at around 6.0 per cent.

In view of the global trend in commodity prices and domestic demand supply balance, RBI has projected WPI inflation at around 4.0 per cent by end-March 2010. WPI inflation, is expected to be near zero (not a reflection of demand contraction) during the first half, after which it will pick up with resurging economic activity.

RBI has placed Money Supply (M3) growth for 2009-10 at 17.0 per cent. Further, Aggregate Deposits and adjusted Non-Food credit of Scheduled Commercial Banks are projected to grow by 18% and 20%, respectively.

### Developments in Indian Banking:

Despite the prevailing tough economic conditions, performance of Indian Banks during 2008-09 was impressive. Aggregate Deposits of the Scheduled Commercial Banks (SCBs) grew by 19.8% during the fiscal 2008-09 to a level of Rs.38,30,322 crore while Gross Advances showed a growth of 17.3% during the same period, to reach a level of Rs. 27,70,012 crore. Thus, the Credit-Deposit (CD) ratio as at end-March 2009 stood at 72.32%. The SLR investments of the SCBs were of the order of Rs. 11,65,746 crore comprising 30.43% of total deposits. Money Stock (M3) as at end-March 2009 was Rs.47,57,905 crore and recorded a growth of 18.4% on year-on-year basis.

### Performance Highlights of the Bank:

I have great pleasure in sharing with you your Bank's performance as also the working results for the year 2008-09.

(a) Total business of your Bank as at end-March 2009 reached Rs.1,67,434 crore i.e. an increase by Rs.34,250 crore (a growth of 25.72%) from a level of Rs.1,33,184 crore as at end-March 2008. As at end-march 2009, Deposits and

कुल अग्रिम क्रमशः 98,369 करोड़ रुपये और 69,065 करोड़ रुपये रहे और इनमें क्रमशः 26.35% और 24.83% की वृद्धि हुई।

(ख) आपके बैंक का ऋण-जमा अनुपात मार्च, 2008 के अंत में 71.43% के मुकाबले मार्च, 2009 के अंत में 70.48% रहा जो राजकोषीय वर्ष 2008-09 के दौरान अग्रिमों के मुकाबले जमाराषियों में हुई उच्चतर वृद्धि का परिणाम है। बैंक का अग्रिम संविभाग वैविध्यपूर्ण एवं संतुलित है। साथ ही, आपके बैंक ने अर्थव्यवस्था के उत्पादक एवं जरूरतमंद क्षेत्रों को अपेक्षित ऋण देना जारी रखा।

(ग) बैंक के प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अग्रिम 40% की निर्धारित सीमा से अधिक अर्थात् समायोजित निवल बैंक ऋणों (एएनबीसी) का 40.91% रहे। मूल्य के अनुसार प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अग्रिम मार्च, 2008 के अंत में रहे 18,760 करोड़ रुपये के अग्रिमों में 3,561 करोड़ रुपये (19%) की वृद्धि के साथ मार्च, 2009 के अंत में 22,321 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गए।

(घ) कृषि क्षेत्र के कुल अग्रिम 8,621 करोड़ रुपये रहे जिनमें से प्रत्यक्ष कृषि को दिए गए अग्रिमों की राषि 4,651 करोड़ रुपये रही और शेष 3,970 करोड़ रुपये की राषि अप्रत्यक्ष कृषि क्षेत्र से संबंधित है। कुल कृषि अग्रिमों में 24.4% की वृद्धि हुई जबकि प्रत्यक्ष कृषि में 34.23% की वृद्धि दर्ज की गई।

(ङ) 2008-09 के दौरान लघु एवं मध्यम उद्यमों (एसएमई) को दिए गए बैंक वित्त 11.45% की वृद्धि के साथ 6228 करोड़ रुपये से बढ़कर 6,941 करोड़ रुपये हो गए।

(च) वर्ष 2008-09 के दौरान षिक्षा एवं आवास संबंधी ऋण क्रमषः 583 करोड़ रुपये एवं 5784 करोड़ रुपये से बढकर 790 करोड़ रुपये एवं 7014 करोड़ रुपये हो गए और इनमें क्रमशः 35.51% एवं 21.27% की वृद्धि दर्ज की गई।

(छ) आपके बैंक का निवल लाभ वर्ष 2007-08 के दौरान रहे 840.94 करोड़ रुपये से बढ़कर 2008-09 में 905.42 करोड़ रुपये हो गया। मार्च, 2009 के अंत में बैंक का परिचालन लाभ, पिछले वर्ष के अंत में 1,219 करोड़ रुपये के स्तर से 38% की वृद्धि के साथ 1,685 करोड़ रुपये हो गया। इसी अवधि के दौरान निवल ब्याज आय भी 18.7% की वृद्धि के साथ 1,682 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,997 करोड़ रुपये हो गई।

(ज) आपके बैंक ने 2008-09 के दौरान 841 करोड़ रुपये की वसूली की, जिसके फलस्वरूप सकल एनपीए वर्ष 2007-08 के दौरान रहे 2.31% से घटकर 1058 करोड़ रुपये अर्थात् 1.53% के स्तर पर आ गए। इसी प्रकार बैंक के निवल एनपीए में भी सुधार आया और मार्च, 2008 के अंत में रहे 0.99% के मुकाबले मार्च, 2009 के अंत में ये 0.65% तक आ गए। एनपीए पर कवरेज बढ़कर मार्च, 2009 के अंत में 58.19% हो गई।

(झ) मुझे आपको यह सूचित करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि आपका बैंक दिनांक 31.03.2009 से बासले II अनुपालक हो चुका है। साथ ही, बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित 9% के न्यूनतम स्तर से कहीं ऊपर 12.98% है।

**नवोन्मेष कार्य:**

कुल आय में अन्य आय के भाग को बढ़ाने के उद्देष्य से आपके बैंक ने गैर-ब्याज आय में वृद्धि हेतु कई कदम उठाए हैं।

Gross Advances stood at Rs.98,369 crore and Rs.69,065 crore, registering a growth of 26.35% and 24.83%, respectively.

(b) The CD ratio of your Bank stood at 70.48% as of March 2009 as against 71.43% as of March end 2008, which is a result of higher growth in deposits vis-à-vis advances during the fiscal 2008-09. The Advances portfolio of the Bank is well diversified and balanced. Further, your Bank has ensured that the productive and the needy sectors of the economy continue to get the required credit.

(c) The Priority Sector (PS) Advances of your Bank constituted 40.91% of Adjusted Net Bank Credit (ANBC) as against the requirement of 40%. In value terms, PS Advances increased by Rs.3,561 crore (a growth of 19%) to reach a level of Rs.22,321 crore as at end March 2009 from Rs.18,760 crore as at end March 2008.

(d) Total advances to Agriculture Sector stood at Rs.8,621 crore, out of which advances to Direct Agriculture constituted Rs.4,651 crore and the residual of Rs.3,970 crore was to the Indirect Agriculture Sector. Whereas total Agriculture Advances grew by 24.4%, growth recorded in Direct Agriculture was 34.23%.

(e) Bank's exposure to Small and Medium Enterprises (SME) increased to Rs.6,941 crore from Rs.6,228 crore, thus growing by 11.45% during 2008-09.

(f) Loans for Education and for Housing increased to Rs.790 crore and Rs.7,014 crore from Rs.583 crore and Rs.5784 crore respectively, thus recording a growth of 35.51% and 21.27%, respectively, during the year 2008-09.

(g) The Net Profit of your Bank increased to Rs.905.42 crore during 2008-09 from a level of Rs.840.94 crore during 2007-08. Operating Profit of the Bank as at end March 2009 recorded a growth of over 38% to Rs.1,685 crore from a level of Rs.1,219 crore as at the end of the preceding year. During the same period, Net Interest Income increased by 18.7% to Rs.1,997 crore from Rs.1,682 crore.

(h) Your Bank made a recovery of Rs.841 crore during 2008-09, as a result of which Gross NPA stood at a level of Rs.1,058 crore or 1.53% of Gross Advances as against 2.31% during 2007-08. Similarly, Net NPA of the Bank improved to 0.65% as at end March 2009 as against 0.99% as at end March 2008. The coverage on NPA has increased to 58.19% as at March end 2009.

(i) I am pleased to inform you that your Bank has become Basel II compliant w.e.f. 31.03.2009 and Capital Adequacy Ratio (CAR) of the Bank stood at 12.98%, well above the minimum requirement of 9% stipulated by RBI.

**New Initiatives:**

In order to increase the share of Other Income in Total Income, your Bank has taken a number of steps that aim to augment the flow of Non Interest Income.

बैंक ने जीवन बीमा कारोबार के क्षेत्र में केनरा बैंक तथा एचएसबीसी बीमा (एषिया पैसिफिक) के साथ संयुक्त उद्यम (23% के हिस्से के साथ) में प्रवेष करके "केनरा एचएसबीसी ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स लाइफ इन्ष्योरेंस कंपनी लिमिटेड' का गठन किया है जिसने 16 जून, 2008 से अपना कार्य आरंभ कर दिया है। जून, 2008 - मार्च, 2009 की अवधि में बैंक ने 68.40 करोड़ रुपये के पहले प्रीमियम के साथ 12291 पालिसियां बेचीं और इस प्रक्रिया में 25.98 करोड़ रुपये का कमीषन अर्जित किया है।

आय सृजन के अन्य स्रोतों में निम्नलिखित उत्पादों की बिक्री शामिल है :

क. दि ओरियन्टल इंष्योरेन्स कंपनी लि0 की गैर-जीवन पॉलिसियां

ख. चार प्रमुख म्यूचुअल फण्ड कंपनियों के म्यूचुअल फण्ड उत्पाद

ग. अपने डी-मैट खाताधारकों को ऑनलाइन ट्रेडिंग सुविधाएं प्रदान करना

घ. ग्राहकों को उनकी आवष्यकताओं के अनुरूप तथा दक्षतापूर्ण नकदी प्रबंधन सेवाएं प्रदान करना

आपके बैंक ने कासा जमाराषियां जुटा कर कम लागत की निधियों पर अधिक ध्यान देकर, लाभप्रदत्ता बढ़ाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया। पूर्ववर्ती ऋण विभाग को तीन भागों बड़े कारपोरेट, मध्यम कारपोरेट और रिटेल ऋण में विभाजित करके एक अन्य महत्वपूर्ण कार्य किया। अब इन तीनों क्षेत्रों में स्वतंत्र महाप्रबंधक हैं, जो अपने कारोबार क्षेत्र में विकास के लिए जिम्मेदार हैं।

## अंतरराष्ट्रीय पहचान:

आपके बैंक ने 30.03.2009 को दुबई में पहला प्रतिनिधि कार्यालय खोलकर अंतरराष्ट्रीय परिदृष्य में अपना स्थान बनाया। यह विदेषी कार्यालय बैंक की भविष्य में महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केन्द्रों में अपना विस्तार करने की महत्वाकांक्षा का शुभारंभ है। दुबई में हमारे प्रतिनिधि कार्यालय से, हमारे उत्पादों और सेवाओं की दुबई में मार्किटिंग के साथ-साथ अनिवासी जमाराषियां बढ़ाने और अनिवासी भारतीयों और भारतीय मूल के व्यक्तियों को भारत में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी देने में सहायता मिलेगी।

## बेहतर ग्राहक सेवा हेतु प्रौद्योगिकी:

आपका बैंक गिने-चुने ऐसे सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से है जहां 100% कारोबार कोर बैंकिंग सॉल्यूषन के माध्यम से किया जाता है। बैंक के सभी कार्यालय केन्द्रीकृत नेटवर्क से जुड़े हैं, जिससे ग्राहकों को एक ही स्थान पर अबाध सेवा प्रदान की जाती है।

आपके बैंक ने अब नई कारपोरेट वेबसाइट बनाई है जो समसामयिक और हमारी कारपोरेट छबि के अनुरूप है। इस साइट में मूल्यवर्धित इन्टरफेस जैसे एनएसई मार्किट ट्रैकर, एनएसई विदेषी मुद्रा ट्रैकर, बीएसई सेनसेक्स, एनएसई निफ्टी, एस एण्ड पी सीएनएक्स, क्रिकेट स्कोर आदि को शामिल किया गया है। इस वेबसाइट को वेरीसाइन से एसएसएल एन्क्रीप्षन लागू करके सुरक्षित भी किया गया है।

इस वर्ष के दौरान, बैंक ने रिटेल इंटरनेट बैंकिंग का वर्जन अपग्रेड किया है, जिससे ऑनलाइन एनईएफटी, ई-कॉमर्स, शेयरों की ऑनलाइन ट्रेडिंग जैसी अतिरिक्त सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग हेतु 44,000 नए ग्राहक पंजीकृत किए गए जिससे कुल ग्राहक आधार बढ़कर 1.98 लाख हो गया।

The Bank has entered into a Joint Venture (with 23% stake) for Life Insurance Business with Canara Bank and HSBC Insurance (Asia Pacific) to form "Canara, HSBC, Oriental Bank of Commerce Life Insurance Company Limited" which started its operations w.e.f. 16th June 2008. During the period June 08-March 09, your Bank sold 12291 policies with First Premium Collection of Rs.68.40 crore and in the process earning a Commission of Rs.25.98 crores.

Other avenues of generating Income include selling the following others products:

a. Non Life Policies of The Oriental Insurance Company Ltd.

b. Mutual Fund products of four major Mutual Fund companies.

c. Providing online trading facilities to its Demat A/c holders.

d. Providing tailor made and efficient Cash Management Services to the clients.

Your Bank took a major step towards improving profitability by focusing on low cost funds through mobilisation of CASA deposits. Another important initiative was directed at focused lending to Large Corporates, Mid-Corporates and Retail lending through trifurcation of hitherto Credit Department. Each of these segments are now headed by an independent General Manager who is responsible for growth of his business segment.

## International Presence:

Your Bank made its foray in International arena on 30.03.2009 with the opening of its first Representative Office at Dubai. This overseas venture is the beginning of the Bank's quest to spread its wings at important International Financial Centres in the future. Our Representative Office at Dubai will help in improving Non-Resident Deposits apart from marketing of our products and services in Dubai and assisting the NRIs and PIOs about business opportunities in India.

## Technology for Better Customer Service:

Your Bank is amongst the few Public Sector Banks where 100% business is routed through the Core Banking Solution. All offices of the Bank are connected to the centralized network thereby offering one stop seamless service to customers.

Your Bank has now come out with a new Corporate Website which is contemporary and in line with our Corporate image. Value added interfaces like NSE Market Tracker, NSE Foreign Exchange Tracker, BSE Sensex, NSE Nifty, S&P CNX, Cricket Score etc. have been incorporated in the site. The website has also been secured by implementing SSL encryption from VeriSign.

During the year, Bank upgraded the version of Retail Internet Banking thereby providing additional facilities of Online NEFT, e-Commerce, Online Trading of shares etc. 44,000 new customers have been registered for Internet Banking, taking the total base to 1.98 lakh.

बैंक द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उठाए गए कुछेक नए कदम इस प्रकार है :

- 17 शाखाओं में चेक जमा मशीनें लगाई गई हैं और 6 स्थानों पर सिक्का-मशीनें लगाई गई हैं। हमारे ग्राहकों के अनुभवों के अनुसार यह संख्या और बढ़ जाएगी।
- बैंक ने सिविल और रक्षा पेंषन का कार्य क्रेन्द्रीकृत रूप से करने के लिए वेब पैकेज प्राप्त किया है, जो सेवा शाखा, दिल्ली में लागू किया गया है।
- बठिण्डा, देहरादून, अमृतसर और सिंगमपुनरी के 319 गांवों में सूचना प्रौद्योगिकी युक्त वित्तीय समावेषन लागू किया गया।
- एसएमएस अलर्ट आरंभ किया गया।
- ग्राहकों को नेट बैंकिंग के माध्यम से प्रत्यक्ष कर ऑनलाइन जमा कराने हेतु ई-कर सुविधा प्रदान की गई है।
- सीबीएस सॉफ्टवेयर को सांविधिक और सांख्यिकीय विवरणियां सृजित करने के लिए कस्टमाइज किया गया जिससे तत्काल और सही प्रबंध सूचना पद्धति सुनिष्चित की जा सके।

## लाभांश:

बैंक के अच्छे कार्यनिष्पादन को ध्यान में रखते हुए, निदेषक मंडल ने पिछले वर्ष के दौरान प्रदत्त 47% के मुकाबले 73% लाभांष प्रस्तावित किया है।

## कारपोरेट सामाजिक दायित्व:

अपने कारपोरेट सामाजिक दायित्व के रूप में, आपके बैंक ने ग्रामीण विकास एवं स्व-रोजगार प्रषिक्षण संस्थान (आरयूडीएसईटीआई )के अनुसार 09.12.2005 को ओबीसी ग्रामीण विकास न्यास की स्थापना की। इस न्यास ने चार जिलों अर्थात् जयपुर, श्रीगंगानगर, फिरोजपुर और देहरादून में ऐसे संस्थान स्थापित किए हैं। इस न्यास की स्थापना से अब तक 219 प्रषिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें 8266 प्रत्याषियों ने लाभ उठाया। इस न्यास द्वारा किए जा रहे क्रियाकलापों में किसानों को फसल विविधीकरण की जानकारी देना, स्व-सहायता समूहों का गठन, कौषल विकास, उद्यमषीलता का विकास तथा गैर-पारंपरिक उर्जा के प्रयोग को बढ़ाना है। स्व-रोजगार सृजित करने वाले क्रियाकलापों जैसे :– टेलरिंग, सिलाई तथा कढ़ाई, फुलकारी, टमाटर की चटनी तथा नींबू स्क्वैष बनाने आदि के लिए ग्रामीण बेरोजगार युवकों का कौषल बढ़ाने के लिए नि:षुल्क प्रषिक्षण प्रदान किया गया।

बैंक ने नेत्रहीनों के लिए वायस एटीएम और बायोमैट्रिक एटीएम आरंभ किए हैं। आपके बैंक ने बच्चों में कंप्यूटर साक्षरता बढ़ाने में सहयोग दिया और गैर-सरकारी संस्थाओं तथा सामाजिक कल्याण के लिए प्रतिबद्ध संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की।

बैंक ने वित्तीय समावेषन के लिए गांवों को अंगीकार किया है और उन जिलों में, जहां बैंक अग्रणी बैंक के रूप में कार्य कर रहा है, स्वेच्छा से 100% वित्तीय समावेषन किया है। स्मार्ट कार्ड देकर वित्तीय समावेषन कार्यान्वित करने संबंधी पायलट परियोजना को 5 जिलों अर्थात् बठिण्डा, अमृतसर, देहरादून, सिंगमपुनरी तथा गुरदासपुर में कार्यान्वित किया है। आपके बैंक ने ग्रामीण क्लीनिक कार्यक्रमों के माध्यम से कुछेक चयनित गांवों में ग्रामीणों को चिकित्सा सहायता भी प्रदान की।

Some other IT (Information Technology) initiatives taken up by the Bank are as under:

- Cheque Deposit Machines have been installed at 17 branches and Coin Vending Machines have been installed at six locations. In the light of our customer experience, this number would be enlarged.
- Bank has procured web package for the centralized handling of Civil and Defence Pensions which is implemented at Service Branch, Delhi.
- IT enabled Financial Inclusion has been implemented across Bhatinda, Dehradun, Amritsar and Singampuneri covering 319 villages.
- SMS alert has been launched.
- e-Tax facility has been provided to the customers to deposit Direct Taxes, online through Net Banking.
- The CBS software has been customized to generate large number of Statutory and Statistical Returns thereby ensuring prompt and accurate MIS.

**Dividend:**

In view of good performance of the Bank, the Board of Directors have proposed a dividend of 73% as against 47% paid during the previous year.

**Corporate Social Responsibility:**

As a part of its Corporate Social Responsibility, you Bank has set up a Trust in the name of 'OBC Rural Development Trust' on 09.12.2005 on the lines of Rural Development and Self Employment Training Institute (RUDSETI). The Trust has set up Institutes in four Districts, viz., Jaipur, Sriganganagar, Ferozepur and Dehradun. Since inception a total of 219 training programmes have been conducted benefiting 8266 candidates. The activities of the Trust cover education of farmers in crop diversification, formation of Self Help Groups, Skill Development, Entrepreneurship development and promoting use of non-conventional energy. Free training on skill development to rural unemployed youth is imparted for self-employment generating activities such as Tailoring, Stitching and Embroidery, Phulkari, Tomato sauce and Lemon squash preparation, etc.

Bank has operationalised voice enabled ATMs for the visually impaired and Bio-metric ATMs. Your Bank has assisted in improving computer literacy among children and has provided financial assistance to NGOs and Institutions committed to social causes.

Bank has adopted villages for financial inclusion and volunteered for 100% Financial Inclusion in districts where it is acting as Lead Bank. A pilot project for implementing Financial Inclusion by providing smart cards has been launched in 5 districts viz. Bathinda, Amritsar, Dehradun, Singampuneri & Gurdaspur. Your Bank also provided medical assistance to villagers in some identified villages through a Rural Clinic programme.

## कारपोरेट प्रबंध:

आपका बैंक श्रेष्ठ मानक पद्धतियों को अपनाकर कारपोरेट प्रबन्ध के सर्वोच्च मानदण्डों को कायम रखे हुए है। बैंक सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित कारपोरेट प्रबंध संबंधी दिषानिर्देषों का अनुपालन कर रहा है।

बैंक की कारपोरेट प्रबंध नीतियों में हमारे सभी ग्राहकों, जिनमें जमाकर्ता, ऋणदाता, ग्राहक, कर्मचारी तथा विनियामक प्राधिकारी शामिल हैं, के प्रति मंडल के उत्तरदायित्व और लिए गए निर्णयों के महत्व एवं इस धारणा कि शेयर धारक ही हमारी आर्थिक गतिविधियों के अंतिम लाभग्राही हैं, को स्वीकार किया गया है।

## जोखिम प्रबंधन / बासेल - II का कार्यान्वयन:

आपका बैंक 31.03.2009 की स्थिति के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी नई पूंजी पर्याप्तता फ्रेमवर्क संबंधी दिषानिर्देषों का अनुपालक बन गया है। बैंक अब विभिन्न जोखिमों के तहत भारतीय रिजर्व बैंक के दिषानिर्देषों के अंतर्गत यथासमय उन्नत दृष्टिकोण अपनाने के लिए स्वयं को तैयार कर रहा है।

बैंक ने अपेक्षित जोखिम प्रबंधन पद्धतियां बनाई हैं, जिनकी भारतीय रिजर्व बैंक और अन्य विनियामक निकायों से समय-समय पर प्राप्त दिषानिर्देषों के अनुसार पुनरीक्षा की जाती है एवं उन्हें अद्यतन किया जाता है। आपके बैंक के पास काफी पूंजी है और पूंजी पर्याप्तता अनुपात 12.98% है।

## ग्राहक सेवा:

हमारे ग्राहकों के साथ दीर्घकालिक स्थायी संबंध हैं जो कई वर्षों के विष्वास से बने हैं और इस आषा पर आधारित हैं कि बैंक उनके सपनों को व्यावसायिक ढंग से पूरा करने के लिए सदैव उन्हें सहयोग देगा। हम अपने सम्मानित ग्राहकों को श्रेष्ठ बैंकिंग सेवाएं, उत्पाद प्रदान करने और उत्कृष्टता की परंपरा निभाने के लिए वचनबद्ध हैं।

## भावी योजना:

राजकोषीय वर्ष 2008–09 उप्लब्धि और संतोष की भावना के साथ बीत गया है। हमने इस आशा के साथ राजकोषीय वर्ष 2009–10 में कदम रखा है कि अर्थव्यवस्था में तेजी से विकास होगा। आर्थिक अनिश्चितता के इस दौर के समाप्त होने और भारतीय अर्थव्यवस्था के पुनः उच्च विकास की ओर अग्रसर होने के साथ ही हम एक सशक्त बैंक के रूप में उभरने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हैं।

भविष्य की ओर उन्मुख आपके बैंक का उद्देष्य, बेहतर ग्राहक सेवा हेतु समसमायिक प्रौद्योगिकी अपनाकर और लागू करके, ग्राहकों को आवष्यकता अनुरूप उत्पाद/ समाधान प्रदान करके तथा उभरते हुए वित्तीय परिदृष्य की चुनौतियों को पूरा करने के लिए समर्पित एवं सक्षम स्टाफ के साथ बैंकिंग उद्योग में आगे बने रहना है।

निदेषक मंडल के ओर से और मैं अपनी ओर से सभी शेयरधारकों द्वारा प्रबंध वर्ग के प्रति दर्षाए गए उनके विष्वास के लिए आभार प्रकट करता हूँ। मैं बैंक के प्रत्येक कर्मचारी की समर्पण भावना तथा हमारे निष्ठावान ग्राहकों द्वारा दिए गए सहयोग व संरक्षण के लिए उनका भी धन्यवाद करता हूँ। मैं वित्त मंत्रालय, भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक को उनके सतत् मार्गदर्षन और सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।

ए. के. मिश्रा

**(आलोक मिश्रा)**

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेषक

## Corporate Governance:

Your Bank has been maintaining the highest standards of Corporate Governance by adopting best industry practices. The Bank has been adhering to the corporate governance guidelines laid down by SEBI and RBI.

Bank's Corporate Governance policies recognize the accountability of the Board and the importance of its decisions to all our constituents including depositors, lenders, customers, employees and the regulatory authorities, and to demonstrate that the shareholders are the cause of ultimate beneficiaries of our economic activities.

## Risk Management / Implementation of Basel II:

Your Bank has become Basel II compliant as on 31.03.2009 in terms of the New Capital Adequacy Framework guidelines issued by the Reserve Bank of India. The Bank is now gearing itself to adopt the advanced approaches in due course of time under different risks as per RBI guidelines.

The Bank has put in place requisite Risk Management Systems which are reviewed and updated periodically in the light of guidelines received from Reserve Bank of India and other regulatory bodies from time to time. Your Bank is well capitalized and has a Capital Adequacy Ratio of 12.98%.

## Customer Service:

With our customers, we share a long and enduring relationship that is built over the years on trust and an abiding hope that the Bank will always partner for the fulfillment of their dreams in a professional manner. We are committed for bringing to our esteemed customers the best of banking services, products and a tradition of excellence.

## The Road Ahead:

It is with a sense of achievement and satisfaction that we put the Fiscal 2008-09 behind us. We enter the new Fiscal year 2009-10 with a hope that the economy will revive swiftly. We reiterate our promise of emerging stronger as the economic uncertainties end and Indian Economy moves back to the high growth trajectory.

Looking into the future, your Bank aims to be the front runner in the industry by adopting and implementing contemporary technology for better customer service, offering tailor made products and solutions to its clients and having a dedicated pool of talented staff geared to meeting the challenges of the emerging financial architecture.

On behalf of the Board of Directors and on my own behalf, I take this opportunity to express my gratitude to all the Shareholders of the Bank for reposing their faith in the Management. I also thank every employee of the Bank for their dedication and our loyal customers for their continued support and patronage. My sincere thanks to the Ministry of Finance, Government of India and the Reserve Bank of India for their continued guidance and support.

**(ALOK K. MISRA)**
**CHAIRMAN AND MANAGING DIRECTOR**